

## ना कभी भी किसी का दिल का दुखाना रे

करना सेवा सत्कार, करना हर किसी से प्यार,  
न कभी भी किसी का दिल दुखाना रे ।  
लेके जग से बुराई मत जाना रे,  
अच्छे कर्मों से जीवन सजाना रे ।

घर आये को भगवान् समझना,  
अपने ही जैसा इंसान समझना ।  
मीठी वाणी उसको बोल, वाणी होती है अनमोल ।  
तीखी वाणी किसी को मत सुनाना रे ।  
प्यार अपना सभी पे तू लुटाना रे ।

तुच्छ समझ किसी पर नहीं हंसना,  
सब पे सम-रस भाव तुम रखना,  
पढ़ना गीता का उपदेश, उसमे है जी ये सन्देश,  
कहाँ रहता है एक सा जमाना रे ।  
भाव-भगति में मन को रमाना रे ।

पाप का धन अपने घर तू ना लाना,  
खून-पसीने की रोटी ही खाना ।  
मेहनत करना आठों याम, किरपा करेंगे तुझपे राम ।  
सत्य-पथ से ना पग को डिगाना रे ।  
बुरे कर्मों को हाँथ ना लगाना रे ।

मन में कभी तू अभिमान ना करना,  
जग में किसी का अपमान ना करना ।  
ऊपर होगा सब हिसाब, दोगे कैसे तुम जवाब,  
फिर तुझको पड़ेगा पछताना रे ।  
रह जायेगा यहीं पर खजाना रे ।

करना सेवा सत्कार, करना हर किसी से प्यार,  
न कभी भी किसी का दिल दुखाना रे ।  
लेके जग से बुराई मत जाना रे,  
अच्छे कर्मों से जीवन सजाना रे ।

करना सेवा सत्कार, करना हर किसी से प्यार,  
न कभी भी किसी का दिल दुखाना रे ।

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |